www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in
www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 20 | अंक 07 | मुंबई, 05 मई 2021 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अनिल प्रतापराव पाटील पुलिस महासंचालक द्वारा सम्मानित

मुंबई : श्री अनिल प्रतापराव पाटील वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को सेवा कार्यकाल में कई सनसनीखेज एवं कठिन आपराधिक मामलों की सफल तापूर्वक जांच और १५ साल लगातार अपनी सेवा की चढ़ती कमान को देखते हुए माननीय पुलिस महासंचालक महाराष्ट्र राज्य द्वारा सम्मान चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा विशेष सेवा के लिए बोधचिन्ह से सम्मानित किया गया। श्री अनिल प्रतापराव पाटील दिनांक २-१२-१९९६ को महाराष्ट्र पुलिस सेवा में पुलिस उप निरीक्षक पद पर ज्वाइन हुए।

मुंबई, नवी मुंबई, नागपुर, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र खंडाला इन जगह पर २४ साल सेवा कई पुलिस थाने और अपराध शाखा में कार्य करते हुए कई बहुचर्चित खून, डकैती, अपहरण, चोरी जैसे आपराधिक मामलों की सफलतापूर्वक जांच की। संगठित आपराधिक श्रेणी के अपराधियों को गिरफ्तार करके आग्नेयास्त्र बरामद किए हैं।

रोड छाप फर्जी पुलिस का नया/अवतार चतुर्भुज चुलबुल बन गया बाबा

सभी मसाज पार्लर मालकिन एवं लड़कियों को खंडोबा की विभूती देकर मांग रहा है भीख!

मुंबई : महाराष्ट्र क्राईम्स के पाठकों के लिए विशेष अंक प्रकाशित करने के लिए आज हम बेहद खुशी जाहिर कर रहे हैं। वजह यह है कि महाराष्ट्र क्राईम्स के पाठक यह हिंदी समाचार पत्र पढ़कर हमें फोन करके या पत्र लिखकर प्रतिक्रिया देते रहते हैं। कुछ सुझाव भी देते हैं और कुछ पाठक मार्गदर्शन करते हैं और समाज के प्रति हमारी कलम के माध्यम से सजगता देखते हुए आभार प्रदर्शित करते हैं। इस विशेषांक के माध्यम से हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में जागृत करना चाहते हैं जो समाज में ऐसा दरिंदा है कि दरिंदा शब्द को भी शर्म आती है। वैसे तो हमने इससे पहले इस शख्स के बारे में कई बार लिखा है और परिणाम स्वरूप अनेक बार अनेक अबला, असहाय, महिलाएं इससे दूर हुई हैं और अपनी इज्जत बचा चुकी है। ऐसे ही कुछ छोटे-मोटे कारोबारी भी जागृत हुए हैं। हैरान करने वाली बात तो यह है कि आम आदमी जागृत है और सजग होता है लेकिन पुलिस प्रशासन इस शख्स को हमेशा हमेशा के लिए सबक क्युर नहीं सीखाती?

डीसीपी विश्वास नांगरे पाटिल साहब ने पदभार ग्रहण करते ही पत्रकार परिषद में यह घोषणा की थी कि जिस व्यक्ति पर ३ से अधिक मामले दर्ज हैं, उसे तड़ीपार किया जाएगा। समझदार पाठक समझ गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं? जी हां गुरुसिद्धप्पा अंबादास वाघमारे उर्फ विजय जाधव उर्फ चतुर्भुज पांडे, चुलबुल पांडे।

कई साल पहले दबंग एक हिंदी फिल्म आई थी, उसमें सलमान खान ने चुलबुल पांडे नामक पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार किया था। यह किरदार बहुत फेमस हुआ। इस किरदार की सब जगह तारीफ हुई और आम आदमी इस किरदार से बहुत ही प्रभावित हुआ, लेकिन पूरे देश में जिसने भी यह फ़िल्म देखी है। उसमें सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ एक रोडछाप, कॉल मास्टर, बलात्कारी, खंडनी बहादुर, ब्लैकमेलर, मुंबई उपनगर विलेपार्ले की झोपड़पट्टी में रहने वाला गुरुसीधप्पा अंबादास वाघमारे चप्पल जूते रिपेयर करके अपना और अपने परिवार का पेट पालता था।दुकान में आने वाली औरतों को वासना युक्त नजरों से देखना और मन ही मन में उनसे प्रणय क्रिया करता रहता। दिनभर इसी सोच में रहता की किस महिला को अपनी वासना का शिकार बनाउं, लेकिन

एक रोड किनारे फटी जूते चप्पल सिलने वाले फटीचर को घास डालेगा कौन? घर में बीवी होते हुए भी गुरु सिद्धप्पा अंबादास वाघमारे वेश्याओं के पास जाकर अपनी लैंगिक भूख मिटाता था। मुंगेरीलाल के हसीन सपने तो आपने पढ़े और देखे भी होंगे। उसके सपने हमेशा टूटते बिखरते रहते थे, लेकिन इस मुंगेरीलाल के सपने साकार करने एक गॉडफादर उसे मिल गया।

हुआ यूं कि एक दिन मसाज / स्पा की आड़ में जिस्मफरोशी का व्यापार करने वाला एक नामचीन दलाल उसकी दुकान में जूता पॉलिश करने गया। कुछ वजह से हम उस दलाल का नाम नहीं लिख सकते हैं। फिर भी काल्पनिक तौर पर उसका नाम मंगेश दोरेकर लिखते हैं। तो मंगेश दोरेकर ने बात बात में यह समझ लिया कि फटीचर किस चीज में रुचि रखता है और उसके पुलिस स्टाइल बाल और मुंछ भी यह बयान कर दी थी कि यह बोगस पुलिस का काम कर सकता है।

मंगेश दोरेकर ऐसे ही व्यक्ति के खोज में था ताकि स्पा मसाज पार्लर वाले जो उससे कंपटीशन करते थे। उनको परेशान कर सके उसने गुरु सिद्धप्पा अंबादास वाघमारे को अपना चेला बनाया और उसे नया नाम दिया। एसएस ब्रांच का विजय जाधव। यह नकली विजय जाधव मंगेश दोरकर के इशारों पर स्पा मसाज पार्लर को सताने हेतु १०० नंबर डायल करता और इसकी झूठी शिकायत करता है। उसके बाद डरे हुए स्पा / मसाज मालिक या मालकिन को फोन करके या मिलकर मैं एसएस ब्रांच का जाधव हूं। आप हफ्ता नहीं देते हैं, इसलिए पुलिस रेड करती है। मुझे आप खुश करो तो मैं पुलिस कार्रवाई टाल दूंगा। ऐसा कह कर उनसे रुपए उग्रहनी करता और पार्लर की लड़कियों की मजबूरी देखकर उनसे जबरन लैंगिक सुख प्राप्त करता। यही गुरुसीधप्पा अंबादास वाघमारे का व्यवसाय बन गया। उसकी दुकान उसने किराये पर दे दी। उसे फिल्में देखने का भी शौक है। अपना फिल्म देखने का शौक पूरा करने के लिए एक दिन उसने फिल्म देखी। जैसी कि हमने ऊपर लिखा वह प्रभावित हुआ और उसने अपना नाम खुद ही चुलबुल पांडे कर लिया। लेकिन शेर की खाल पहनने से गधा शेर नहीं होता है। (पेज ८ पर....)

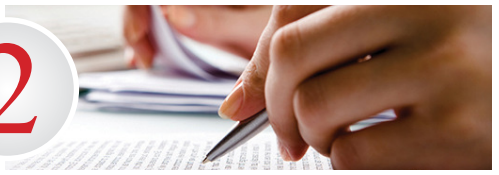

संपादकीय

कोविड की रफ्तार

महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 48,621 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 47,71,022 तक पहुंच गई। महाराष्ट्र में पिछले 30 दिन की अवधि में सोमवार को पहली बार एक ही दिन में नए मामलों की संख्या 50,000 के आंकड़े से कम दर्ज की गई है। वहीं, मुंबई में 17 मार्च के बाद सबसे कम संक्रमित मिले हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में कोविड-19 के 567 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 70,851 हो गई। महाराष्ट्र में अप्रैल में अधिकतर दिनों में संक्रमण के नए मामलों की संख्या करीब 60,000 के आसपास दर्ज की गई थी। संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य सरकार ने 5 अप्रैल से लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लागू की थीं, जिन्हें बाद में 15 मई तक विस्तार दिया गया है। विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में सोमवार को 2,11,668 नमूनों की जांच के साथ ही अब तक 2,78,64,426 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इसके मुताबिक, सोमवार को 59,500 लोग संक्रमणमुक्त हुए, जिसके साथ ही अब तक 40,41,148 मरीज ठीक हो चुके हैं। महाराष्ट्र में उबरने की दर 84.7 फीसदी जबकि मृत्यु दर 1.49 फीसदी है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को मध्य मार्च के बाद सबसे कम 2662 नए मामले सामने आए जबकि 78 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो गई। बृहन्मुम्बई महानगरपालिका (बीएमसी) के आंकड़ों के अनुसार इसके साथ ही महानगर में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,58,866 हो गई है जबकि 13,408 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। शहर में गत 24 घंटे में बस 23,542 नमूनों की कोविड-19 जांच की गई। अब तक यहां 55,13,783 जांच की जा चुकी हैं। सोमवार को जो नए मामले सामने आए वो 17 मार्च के बाद सबसे कम रोजाना मामले हैं। यहां 17 मार्च को 2377 मामले सामने आए थे। सामान्यतः सोमवार को सप्ताह के अन्य दिनों की तुलना में कम मामले सामने आते हैं क्योंकि सप्ताहांत पर कोरोना वायरस जांच कम हो जाती है। रविवार को यहां कोविड-19 के 3672 नए मामले सामने आए थे और 79 मरीजों की जान चली गयी थी। यहां मामले लगातार घट रहे हैं।बीएमसी के अनुसार गत 24 घंटे में यहां 5,746 मरीजों को संक्रमण मुक्त होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। इसके साथ ही महानगर में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 5,89,619 हो गई है। यहां इस समय 54,143 मरीज उपचाराधीन हैं। मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 89 हो गई है।

कंधा देने के लिए चल रहा मोल-भाव, लग रही बोली

वाराणसीः मोक्ष नगरी में अंतिम क्रिया का भी व्यापार

वाराणसी वही शहर है जहां मुंशी प्रेमचंद्र की रचना मंत्र का पात्र भगत जैसे लोग होते थे, जो अपना दुख छोड़कर दूसरों के दुख को दूर करने का प्रयास करते थे। लेकिन महामारी ने स्थितियां ऐसी बना दी हैं कि अब तो अपने भी दुख में साथ नहीं खड़े हो पा रहे हैं। ऐसे में भगत जैसे तो किरदार नहीं हैं लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो पैसा लेकर ह्लभगतह्व बनने का काम कर रहे हैं।

हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम यात्रा के दौरान चार कंधे भी अब चार से पांच हजार में उपलब्ध हो रहे हैं। कोरोना संक्रमण के कारण मौत होने पर परिजन भी अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। स्थितियां ऐसी बन जा रही हैं कि शव के साथ एक या दो आदमी ही घाट पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में शव को सड़क से लेकर चिता तक पहुंचाने के लिए चार कंधों की बोली चार से पांच हजार रुपये में लग रही है। कुछ युवाओं की टोली पैसों के लिए जान हथेली पर रखकर इस काम को अंजाम दे रही है। एक तरफ जरूरत है तो दूसरी तरफ विवशता। मोक्ष की नगरी काशी में अब चार कंधे भी बिना पैसों के उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

केस एक : नरिया के दीपक कोरोना संक्रमित परिजन का शव लेकर हरिश्चंद्र घाट पर वाहन से पहुंचे। उनके साथ उनका भाई राजेश भी था। शव को कंधा देने के लिए चार कंधे नहीं होने से वह बेचारगी से इधर-उधर देख रहे थे। तभी एक युवक उनके पास पहुंचा और उसने कहा कि परेशान न हों हम कंधा दे देंगे। आश्चर्य से देखने के बाद बाद दीपक ने कहा कि कोरोना संक्रमण से मौत हुई तो युवक ने कहा कि कोई बात नहीं है आप बस पांच हजार रुपये दे दिजिएगा, चिता तक शव को हम पहुंचा देंगे। राजेश ने असमर्थता जताई तो युवक ने कहा कि थोड़ा कम कर देंगे आप एक बार हां बोल दीजिए। इसके बाद 3500 सौ रुपये पर बात पक्की हो गई।

केस दो : चेतगंज पान दरीबा के प्रभानंद के परिजन की कोरोना संक्रमण से अस्पताल में मौत हो गई। वह अस्पताल से सीधे हरिश्चंद्र घाट पहुंचे। अकेले होने के कारण शव को घाट तक ले जाने की समस्या थी। दो युवक उनको परेशान देखकर उनके पास पहुंचे और कंधा देने की बात कही। ऐसे में मोलभाव भी हुआ और बात चार हजार में पक्की हो गई। इसके बाद चार युवकों ने शव को टिकठी पर बांधने, घाट तक पहुंचाने, कफन देने और चिता तक पहुंचाने का काम पूरा किया। काम होने के बाद पैसे लेकर युवक चले गए।

अंतिम यात्रा में चार कंधों के इंतजाम के लिए पैसे देने पड़ रहे हैं। महामारी काल में इस तरह की स्थितियां बेहद शर्मिंदा करने वाली हैं। हालात ऐसे हैं कि सभी के सामने विवशता है। मोक्ष परंपरा वाले शहर काशी में इस तरह की घटना हर किसी के लिए विचारणीय है।

-कन्हैया दुबे, केडी, दशाश्वमेध

कोरोना काल में जब अपने अंतिम यात्रा में शामिल नहीं पा रहे हैं तो जाहिर सी बात है चार कंधों की कमी तो महसूस होगी। पैसे लेकर जान जोखिम में डालकर कुछ युवा कोरोना से मरने वालों को कंधा दे रहे हैं। ऐसी परिस्थितयां हैं कि इस बारे में कुछ कहा भी नहीं जा सकता है।

-विकास यादव, विशेश्वरगंज

BJP नेता का दावा-खाली पेट गोमूत्र पीने से शरीर के अंदर कोरोना वायरस का हो जाएगा नाश

देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि सोशल डिस्टेंसिंग से ही रोकथाम संभव है लेकिन विज्ञान के पक्ष के इतर बीजेपी नेता का अलग ही दावा है। बीजेपी विधायक महेंद्र भट्ट का कहना है कि खाली पेट गोमूत्र के सेवन से कोरोना वायरस के विषाणु खत्म हो सकते हैं।

एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि, नहाने के बाद अगर दो चम्मच गोमूत्र को खाली पेट ले लिया जाए तो शरीर के अंदर विषाणु का नाश हो जाता है। इससे कोरोना ही नहीं हर प्रकार के दुष्प्रभाव वाले विषाणु खत्म हो जाते हैं।यह कोरोना से बचने का आयुर्वेदिक पक्ष है।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब गौमूत्र से कोरोना वायरस के खात्मे का दावा किया जा रहा है। इससे पहले दिल्ली में हिंदू महासभा के लोगों ने टी-पार्टी की तर्ज पर गोमूत्र पार्टी का आयोजन किया था। हिंदू महासभा के प्रमुख चक्रपाणि महाराज ने अजीबोगरीब बयान देते हुए कहा था कि कोरोना वायरस का इलाज गोमूत्र और गाय के गोबर से संभव है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए एक विशेष यज्ञ का आयोजन किया जाएगा से दुनिया भर से कोरोना वायरस का विनाश हो जाए। चक्रपाणी महाराज ने कहा कि अगर कोई गाय के गोबर का लेप शरीर पर लगाए और ह्लओम नमः शिवायह्व के मंत्र का जाप करे तो वह बच सकता है।

गौरतलब है कि न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कोरोना वायरस के दो नए मामले सामने आए हैं।चंडीगढ़ में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण की संख्या अब बढ़कर 173 तक जा पहुंची है।

राजीव कपूर की प्रॉपर्टी चाहते हैं भाई रणधीर कपूर और बहन रीमा जैन, हाई कोर्ट में चल रहा हैं मामला

मुंबई. बॉलीवुड में कपूर खानदान अपनी खास पहचान रखता है. राज कपूर के सबसे छोटे बेटे राजीव कपूर का निधन दिल का दौरा पड़ने से हो गया. 9 फरवरी को उनके भाई राजीव कपूर का भी निधन हो गया है. कपूर खानदान की इस पीढ़ी के रणधीर कपूर और उनकी रीमा जैन जिंदा हैं. खबरों की माने तो दोनों ने राजीव कपूर की प्रॉपर्टी पर अपने हक के लिए हाईकोर्ट में पीटिशन फाइल की है. जिस पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई है.

राजीव कपूर की पर्सनल लाइफ के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते हैं. पत्नी के साथ मतभेद होने की वजह से दोनों अलग हो गए थे. दोनों कभी पब्लिक प्लेस पर साथ में नजर नहीं आए हैं. रणधीर कपूर और रीमा जैन के वकील ने कहा है कि वे दोनों ही राजीव कपूर की प्रॉपर्टी के हकदार हैं. जिस पर सुनवाई में हाईकोर्ट ने दोनों से राजीव कपूर के तलाक के सबूत लाने के लिए कहा है.

जस्टिस गौतम पटेल ने रणधीर और रीमा की फाइल की हुई पीटिशन पर सुनवाई की. राजीव कपूर की शादी साल 2001 में आरती सबरवाल से हुई थी और 2003 में दोनों का तलाक हो गया था. सुनवाई में रणधीर और रीमा के वकील ने कहा है कि उनके पास राजीव और आरती के तलाक के कागज नहीं हैं और उन्हें नहीं पता है कि किस फैमिली कोर्ट ने तलाक का आदेश जारी किया था.

रणधीर कपूर और रीमा जैन के वकील ने कहा-सिर्फ भाई और बहन ही राजीव कपूर की प्रॉपर्टी के हकदार हैं. हमारे पास उनके तलाक के कागज नहीं हैं. हम इसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमे यह नहीं मिले हैं. उन्हें तलाक के कागज पेश करने से छूट दी जाए. जस्टिस गौतम ने कहा है कि कोर्ट तलाक के आदेश के कागज पेश न करने की छूट देने के लिए तैयार है लेकिन पहले स्वीकृति पत्र दिया जाए. इस मामले की सुनवाई अब स्थगित कर दी गई है.

मनसुख को मारने के लिए कलवा स्टेशन से सचिन वाजे ने कलवा स्टेशन से खरीदे थे रुमाल, CCTV से हुआ खुलासा

मुंबईः नेशनल इंवेस्टिगेटिंग एजेंसी यानी कि एनआईए पिछले कई दिनों से मनसुख हिरण हत्या और एंटीलिया कांड मामले की जांच कर रही है. इसी मामले में अबतक पांच लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है जिसमें से तीन तो पुलिस अधिकारी मुंबई पुलिस विभाग में तैनात थे, एक निलंबित कॉन्स्टेबल है और एक क्रिकेट बुकी.

5 मार्च को जब मनसुख का शव मुंब्रा रेती बंदरगाह से मिला था उस समय उनका चेहरा एक मंकी कैप से ढका हुआ था, जिसमें कई रूमाल पाये गए थे. हालही में जांच के दौरान एनआईए को पता चला कि वे सारे रुमाल 4 मार्च के दिन कलवा रेलवे स्टेशन के बाहर एक रुमाल बेचने वाले के पास से ही किसी ने खरीदे थे. आरोप है कि वो शख्स कोई और नहीं बल्कि सचिन वाजे था.

एनआईए के सूत्रों ने एबीपी न्यूज को बताया कि उन्हें कुछ सीसीटीवी फुटेज उस इलाके के मिले हैं जिसमे एक शख्स रुमाल खरीदता हुआ दिखाई दे रहा है. यह शख्स हूबहू सचिन वाजे की तरह ही दिखाई दे रहा है. एजेंसियों को यह भी शक है कि वो सारे रुमाल का इस्तेमाल मनसुख का चेहरा ढकने के लिए किया गया होगा.

एनआईए के सूत्र बताते हैं कि वो हर बिंदु को जोड़ रहे हैं जो इस मामले को पूरी तरह से सुलझाने में उनकी मदत करे और कोर्ट में भी आरोपियों को सजा दिलवाई जा सके. इसी सिलसिले में एनआईए ने उस

रुमालवाले का बयान भी दर्ज किया है.

शुरूआत में वाझे ने हरकिसी को झूठ कहा था कि वो घटना के समय मुम्बई में थे. लेकिन एटीएस और एनआईए की जांच ने उसके झूठ से पर्दा उठा दिया. दोनों ही एजेंसियों को इतने सीसीटीवी फुटेज मिले है जो वाझे कि हर बात को झूठा ठहरा रहे हैं.

सीसीटीवी के मुताबिक वाझे 4 मार्च को करीब 8 बजकर 30 मिनट पर कलवा स्टेशन पहुचा था. वहां उतारने के बाद वो स्टेशन के पास ही रुमाल वाले के पास गया और उससे कई रुमाल भी खरीदे.

एजेंसियां शुरूआत में ये कयास लगा रही थी कि उन रूमालों में शायद से क्लोरोफॉर्म इस्तेमाल किया गया होगा जिससे मनसुख को बेहोश किया गया होगा. जिस समय ये रुमाल मिले थे उसे तुरंत ही मुम्बई के कलीना फॉरेंसिक लेब्रोटरी में भेज दिया गया था.

कलीना फॉरेंसिक वालों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि उन रूमालों में क्लोरोफॉर्म का कोई अवशेष नहीं मिला है. कलीना फॉरेंसिक में कुल 6 रुमाल भेजे गए थे. एनआईए ने अब सेकंड ओपिनियन लेने के लिए वो सारे रुमाल सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेब्रोटरी पुणे को भेजे हैं जिसकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है.

इस मामले में गिरफ्तार निलंबित एपीआई सचिन वाजे, निलंबित कॉन्स्टेबल विनायक शिंदे, क्रिकेट बुकी नरेश गोर और निलंबित एपीआई रियाजुद्दीन काजी ये जेल कस्टडी में हैं तो निलंबित इंसेक्टर सुनील माने एनआईए कस्टडी में है.

सलमान खान की बढ़ती लोकप्रियता

मुम्ब्रा : शहर के कौसा शिल परिसर में भावी नगरसेवक सलमान खान की लोकप्रियता दिन बा दिन बढ़ती जा रही है जिससे उनके विरोधियों में खलबली मची हुई है सलमान खान की कामयाबी विरोधियों को हजम नही हो रही है और वे खान के बारे गलत प्रचार प्रसार करते रहते हैं इसकी खास वजह ये है कि खान शहर के लोकप्रिय युवा नेता हैं और 2022मे होने वाले मनपा चुनाव में सलमान खान पुरे दमखम के साथ मैदान में उतरने वाल हैं .लोगो ने तो उन्हें अभी से ही अपना नगरसेवक मान लिया है.लोगो का कहना है कि जो इंसान बिना किसी पद पर रहके एक साल से चल रहे लॉक डाउन में हम लोगो की मदद दिन रात करता है उसे चुनाव में भला हमलोग कैसे भुल सकते हैं. बतादें कि सलमान खान एक तेजतर्रार जुझारु युवा नेता हैं साथ ही एक अच्छे और सच्चे समाजसेवक भी हैं उनकी समाजसेवकी के जज्बे को देखते हुवे खान को कई सामाजिक संस्थाओं ने सम्मानित भी किया.

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 मई 2021

पत्नी और बच्चों संग ब्रिटेन पहुंचे अदार पूनावाला

कहा- वैक्सीन को लेकर कुछ सबसे पावरफुल लोगों के दबाव के बाद छोड़ा देश

लंदन, देश में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी विनाशकारी लहर के बीच पुणे की सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला ने कोविड-19 की वैक्सीन की सप्लाई बढ़ाने लेकर अपने ऊपर भारी दबाव की बात की। उन्होंने कहा कि सब भार उनके सर पड़ रहा जबकि यह काम अकेले के वश का नहीं है। पूनावाला को भारत सरकार की तरफ से इसी हफ्ते "वाई" श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

सरकारी सुरक्षा दिए जाने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में पूनावाला ने लंदन के अखबार "द टाइम्स" के साथ बातचीत में कहा कि कोविशील्ड वैक्सीन की आपूर्ति की मांग को लेकर भारत के सबसे शक्तिशाली लोगों में से कुछ ने उनसे फोन पर उग्रतापूर्वक बातें की हैं। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया भारत में ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनिका की कोविड-19 वैक्सीन कोविशील्ड वैक्सीन का उत्पादन कर रही है। पूनावाला ने कहा कि इस दवाब के चलते ही वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ लंदन आ गए हैं। भारत सरकार के अधिकारियों के अनुसार पूनावाला को संभावित खतरों को देखते हुए सुरक्षा दी गई। देश में किसी भी जगह उनके साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान उनकी सुरक्षा में होंगे। इनमें 4-5 कमांडों होंगे।

पूनावाला ने न्यूजपेपर से कहा, "मैं यहां (लंदन) तय समय से अधिक रूक रहा हूं, क्योंकि मैं उस स्थिति में वापस नहीं जाना चाहता। सब कुछ मेरे कंधों पर पड़ गया है,

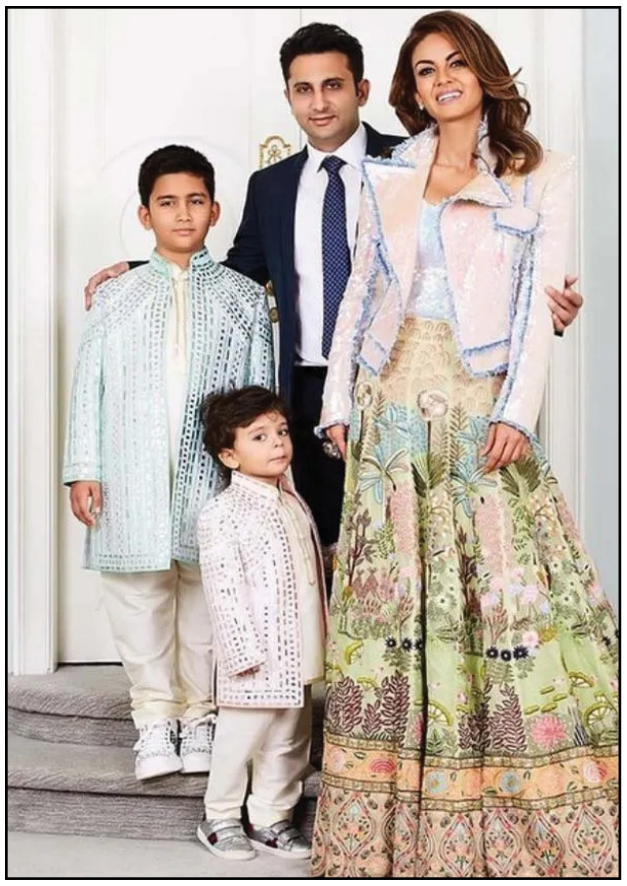

लेकिन मैं इसे अकेले नहीं कर सकता... मैं ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहता, जहां आप सिर्फ अपना काम करने की कोशिश कर रहे हों, और सिर्फ इसलिए कि आप हर किसी की जरूरत को पूरा नहीं कर सकते, आप अंदाज नहीं लगा सकते कि बदले में वे क्या करेंगे।"

सीरम इंस्टिट्यूट के सीईओ ने कहा, "लोगों की उम्मीद और उग्रता का स्तर वास्तव में अभूतपूर्व है। यह बहुत अधिक है। सभी को लगता है कि उन्हें वैक्सीन मिलनी चाहिए। वे समझ नहीं सकते कि उनसे पहले किसी और को यह क्यों मिलनी चाहिए।" उन्होंने इंटरव्यू में संकेत दिया कि उनकी लंदन यात्रा भारत के बाहर वैक्सीन निर्माण बढ़ाने की व्यावसायिक योजनाओं से भी जुड़ी हुई है और लंदन उनकी पसंद में शामिल हो सकता है।

जब उनसे भारत के बाहर वैक्सीन उत्पादन के ठिकानों के बारे में पूछा गया, तो पूनावाला ने कहा, "अगले कुछ दिनों में एक घोषणा होने जा रही है।" उन्होंने कहा, "हम वास्तव में सभी की मदद के लिए हांफ रहे हैं।" पूनावाला ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि भगवान को भी अंदाज होगा कि हालात इतने खराब होने वाले हैं।"

मुनाफाखोरी के आरोप पर उन्होंने उसे "पूरी तरह से गलत" बताया और कहा कि कोविशील्ड अभी भी "दुनिया की सबसे सस्ती वैक्सीन" है। पूनावाला ने कहा, "हमने कुछ भी गलत या मुनाफाखोरी नहीं की है। मैं प्रतीक्षा करूंगा कि इतिहास हमारे साथ न्याय करे।"

इजरायल पर हमास के रॉकेट के बाद हिजबुल्लाह का ड्रोन हमला

एक साथ चार दुश्मनों से उलझा यह यहूदी राष्ट्र

तेल अवीव, इजरायल कोरोना वायरस के कहर से उबरने के बाद अब दूसरी मुश्किल में फंसता जा रहा है। दुनिया का एकमात्र यहूदी राष्ट्र इन दिनों एक साथ चार-चार दुश्मनों से उलझा हुआ है। वहीं, इजरायली डिफेंस फोर्स ने भी ऐलान किया है कि वे अपने देश के दुश्मनों को कड़ा सबक सिखाने से पीछे नहीं हटेंगे। यही कारण है कि इन दिनों यरुशलम में इजरायली फोर्स और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव भी बढ़ गया है।

इन दिनों इजरायल का सबसे बड़ा दुश्मन गाजा पट्टी में सक्रिय हमास के आतंकी हैं। जिनके रॉकेट हमले ने इजरायल को परेशान किया हुआ है। दूसरा दुश्मन लेबनान का आतंकी संगठन हिजबुल्लाह है। यह संगठन भी इजरायल पर ड्रोन हमले कर रहा है। तीसरा दुश्मन यरुशलम में सक्रिय फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी हैं, जो पिछले कई दिनों से कोहराम मचाए हुए हैं। चौथा दुश्मन सीरिया है, जिसने कुछ दिनों पहले एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल से इजरायल के परमाणु रिएक्टर को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

यरुशलम में बढ़ते तनाव के बीच गाजा पट्टी से हमास और लेबनान से हिजबुल्लाह के आतंकी लगातार इजरायल पर हमले कर रहे हैं। इनके फायर किए गए रॉकेट और ड्रोन को मार गिराने के लिए इजरायल को काफी परेशान होना पड़ रहा है। हालांकि, इजरायल ने

अपनी सुरक्षा के लिए देश के कोने-कोने में कई एंटी मिसाइल सिस्टम एक्टिवेट किए हुए हैं, फिर भी कई बार हमास और हिजबुल्लाह के रॉकेट और ड्रोन इजरायली जमीन पर गिर रहे हैं।

यरुशलम में हाल के दिनों में झड़पों में बढ़ोतरी हुई है जो इजरायल-फिलिस्तीन में लंबे समय से टकराव का मुख्य केंद्र रहा है और यहीं पर यहूदियों, ईसाइयों और मुस्लिमों के पवित्र स्थल स्थित हैं। कुछ दिनों पहले कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर इजरायल ने यरुशलम के कई इलाकों में नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया था, जिसके विरोध में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर गए। इस दौरान भड़की हिंसा में दोनों ही पक्षों के कई लोगों के घायल होने की खबर है। यरुशलम के निवासियों को और अशांति की आशंका हैं जबकि पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

यरुशलम में हुई घटनाओं ने गाजा को भड़का दिया। हमास की सशस्त्र इकाई ने इजरायल को चेताया कि वह उसके सब्र का इम्तिहान न ले और फिलिस्तीनी एनक्लेव से शुक्रवार देर रात दक्षिणी इजरायल पर रॉकेट दागना शुरू कर दिए और शनिवार सुबह तक यह सिलसिला जारी रहा। इस दौरान हमास के आतंकियों ने कम से कम 36 रॉकेट दागे।

इजरायली परमाणु रिएक्टर पर सीरिया के मिसाइल हमले के बाद से तनाव बरकरार है। इजरायली सेना सीरिया में सक्रिय ईरानी मिलिशिया के ठिकानों पर लगातार मिसाइलें दाग रही हैं। जिसके जवाब में सीरियाई सेना ने इजरायल को चेतावनी भी दी है।

"पाकिस्तान में गद्दार और अमेरिका में हीरो"

वो डॉक्टर जिसने बताया ओसामा का ठिकाना, लेकिन उल्टा मिली 33 साल जेल की सजा

अलकायदा के आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने 10 साल पहले पाकिस्तान में मार गिराया. लेकिन बहुत ही कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि दुनिया के सबसे खूंखार आतंकी को ढेर करने में एक पाकिस्तानी नागरिक ने बड़ी भूमिका निभाई. इस व्यक्ति का नाम है डॉ शकील अफरीदी, जिन्हें पाकिस्तानी में गद्दार माना जाता है और अमेरिका में एक हीरो की तरह उनकी प्रशंसा की जाती है.

अमेरिकी नेवी सील द्वारा अलकायदा के मुखिया को ढेर किए एक दशक से ज्यादा हो चला है. लेकिन अभी तक इस बात के कोई संकेत नहीं है कि पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा डॉ अफरीदी को बरी किया गया है. उन्होंने वैक्सीनेशन प्रोग्राम की आड़ में उक्अ को ओसामा बिन लादेन की पिनपॉइंट लोकेशन की जानकारी दी थी. डॉ अफरीदी को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित साहिवाल जेल में बंद करके रखा गया है. यहां वह अब अपने दिन गिनने में लगे हुए हैं.

ओसामा के मारे जाने के दौरान वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत रहे हुसैन हक्कानी ने बताया कि उन्हें अब जेल में इसलिए रखा जा रहा है ताकि हर पाकिस्तानी को पश्चिमी खुफिया एजेंसी के साथ सहयोग न करने का सबक सिखाया जा सके. पाकिस्तान में ओसामा की मौजूदगी पर सवाल खड़ा हो पाता, इससे पहले ही अधिकारियों ने डॉ अफरीदी को बलि का बकरा बना दिया. समाचार एजेंसी

एएफपी ने डॉ अफरीदी के भाई और उनके वकील के जरिए जेल में उनकी दिनचर्या की जानकारी निकाली है.

जेल में डॉ अफरीदी को किसी से भी बात नहीं करने दिया जाता है. वह सिर्फ अपनी लीगल टीम और परिवार के लोगों से बात कर पाते हैं. परिवार के मुताबिक, कैद में वह रोज रोज एक्सरसाइज करते हैं. उनके पास कुरान शरीफ है, जिसे वह रोज पढ़ते हैं. इसके अलावा, किसी भी अन्य किताब को उन्हें नहीं दिया जाता है. गार्ड्स की मौजूदगी में उनकी दाढ़ी और बाल काटे जाते हैं. साथी कैदियों से मुलाकात करने पर पाबंदी लगाई गई है. परिवार के लोगों को सिर्फ महीने में दो बार मुलाकात करने की इजाजत है.

पाकिस्तान के बीहड़ जनजातीय क्षेत्रों से आने वाले डॉक्टर अफरीदी उक्अ को एक बेहतर व्यक्ति लगे, जो एबटाबाद में बिन लादेन के ठिकाने पर जासूसी कर सकते थे. उक्अ को ओसामा के वहां मौजूद होने के सबूत चाहिए थे. इस तरह उक्अ ने डॉ अफरीदी के जरिए वैक्सीन अभियान की शुरूआत करवाई, ताकि ओसामा के ठिकाने से उसके डीएनए सैंपल्स लिए जा सके. वहीं, पाकिस्तानी अधिकारियों ने ओसामा के मारे जाने के कुछ हफ्ते बाद ही डॉ अफरीदी को गिरफ्तार कर लिया.

डॉ अफरीदी के ऊपर ओसामा से जुड़े मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई. दरअसल, एक आदिवासी अदालत ने एक औपनिवेशिक युग के कानून के तहत डॉ अफरीदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक विद्रोही ग्रुप को पैसे मुहैया कराया है. इसके बाद उन्हें दोषी ठहराते हुए 33 साल की सजा सुनाई गई. अमेरिकी प्रशासन ने उनकी हिरासत को लेकर विरोध जताया. अमेरिका ने कैदियों के बदले उन्हें अपने यहां लाने का प्रयास किया, लेकिन ये सौदा कभी हो ही नहीं पाया.

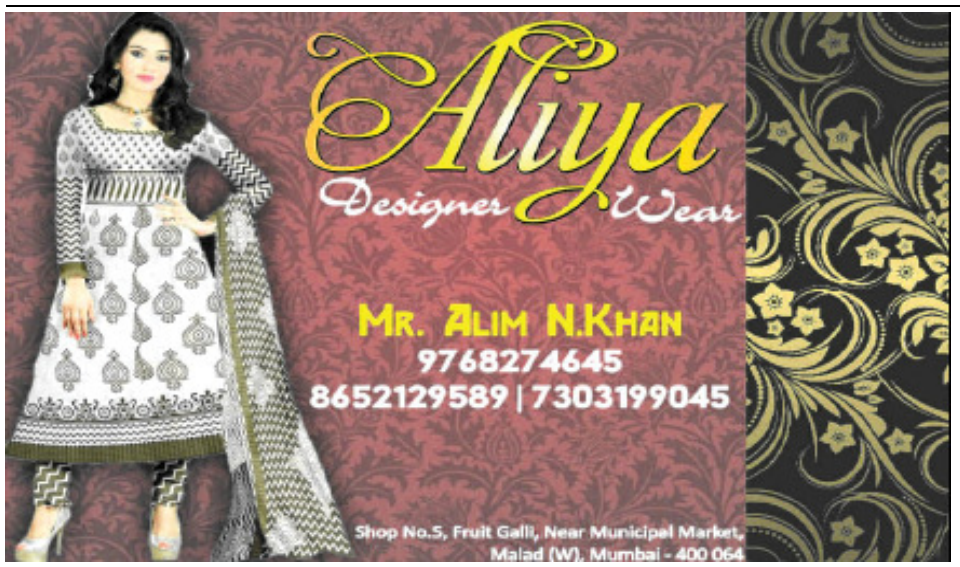

मुंबई/ स्कूल बस बंद होने से मुंबई में 24,000 लोगों की गई नौकरी

मुंबई : मुंबई में कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण पिछले साल से स्कूल बंद हैं। अब कोरोना की दूसरी लहर के कारण स्कूल नहीं खुले हैं। परिणामस्वरूप, इन स्कूलों पर निर्भर स्कूल बस उद्योग को बड़ा नुकसान हुआ है। स्कूलों के बंद होने से स्कूल बस के कारोबार से जुड़े 24,000 लोगों की नौकरी चली गई है।

स्कूल बस ओनर्स एसोसिएशन के अनिल गर्ग ने कहा कि पिछले साल से मुंबई में सड़कों पर 8,000 स्कूल बसें नहीं चली हैं। कन्फेडरेशन ऑफ बस एंड कार ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया के अनुसार, महाराष्ट्र में 50,000 स्कूल बसें हैं। इससे डेढ़ लाख नौकरियां प्रभावित हुई हैं। गर्ग ने मांग की है कि बेस्ट स्कूल बसों को सार्वजनिक परिवहन की अनुमति दें। इस अनुमति के साथ, कर्मचारियों को पीक आवर के दौरान ले जाया जा सकता है। बेस्ट के पास 4300 बसें हैं। उसने एमएसआरटीसी की कुछ बसों को किराए पर लिया है।गर्ग ने बताया कि वर्तमान में ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हो गई हैं। इसलिए स्कूलों ने बस मालिकों को भुगतान करने से मना कर दिया है क्योंकि स्कूल शुरू नहीं होने के कारण अभिभावक बस की फीस का भुगतान नहीं करते हैं। परिणामस्वरूप, हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। कई लोगों ने लोन पर बसें खरीदी है। उनके लिए लोन का हफ्ता देना मुश्किल हो गया है।

मुंबई में 485 इमारतें खतरनाक

मुंबई : बारिश के मौसम से पहले मुंबई मनपा द्वारा खतरनाक इमारतों का सर्वेक्षण किया जाता है। इस साल मुंबई में कुल 485 इमारतें खतरनाक पाई गई हैं। इन खतरनाक इमारतों में 34 नगरपालिका भवन, 27 सरकारी और 424 निजी इमारतें हैं। इनमें से 148 खतरनाक इमारतों को नगरपालिका ने ध्वस्त कर दिया है। 112 इमारतों के बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए गए हैं।

मानसून की पृष्ठभूमि में मनपा आयुक्त ने बीएमसी के सभी 24 प्रशासनिक प्रभागों, बीएमसी क्षेत्र में पहाड़ी बस्तियों में खतरनाक इमारतों की समीक्षा करके आपातकालीन प्रबंधन अधिनियम -2005 के नियमों के अनुसार अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया है। 485 इमारतें हैं जो बारिश से पहले अत्यधिक खतरे में हैं और कभी भी गिर सकती हैं। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इमारत ढहने से होने वाली दुर्घटनाओं में किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

तीन अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस

नई मुंबई : अस्पताल की जिम्मेदारी है कि वह कलेक्टर के माध्यम से रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यक आपूर्ति की खरीद करे। इसी कड़ी में नई मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर ने आदेश दिया था कि कोई भी हॉस्पिटल रेमडेसिविर के पर्चे मरीज या मरीज के परिजनों को

न दे। अस्पतालों को इस नियम के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत सनशाइन अस्पताल नेरुल, सिद्धिका नर्सिंग होम सेक्टर -15 कोपरखैरने और ओम गगनगिरी अस्पताल को कमिश्नर अभिजीत बांगर ने केस दर्ज करने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्हें तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

मुंबई/ निलंबित पुलिस अधिकारी सुनील माने को न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई : मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने निलंबित पुलिस अधिकारी सुनील माने को उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास एक कार में विस्फोटक सामग्री मिलने के मामले में शनिवार को 13 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। माने को गत अप्रैल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दक्षिण मुंबई स्थित अंबानी के घर के पास एक कार में विस्फोटक मिलने और ठाणे निवासी मनसुख हिरेन की मौत के मामले की अपनी जांच के सिलसिले में गिरफ्तार

किया था। उक्त एसयूवी हिरेन के कब्जे से कथित रूप से चोरी हो गई थी। माने को एनआईए हिरासत समाप्त होने के बाद जब अदालत में पेश किया गया तब उनके वकील आदित्य गोरे ने कहा कि चूंकि वह एक पुलिस अधिकारी हैं, उन्हें जेल में सुरक्षित रखने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। न्यायाधीश राहुल भोसले ने तब जेल अधिकारियों को माने की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। मुंबई अपराध शाखा से सम्बद्ध माने, सहायक पुलिस निरीक्षकों सचिन वझे और रियाज काजी की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में गिरफ्तार होने वाले तीसरे पुलिस अधिकारी हैं। वझे और काजी वर्तमान समय में न्यायिक हिरासत में हैं।

ठाणे के अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से पांच मरीजों की मौत नहीं हुई

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले स्थित एक निजी अस्पताल में इस हफ्ते की शुरूआत में पांच कोविड-19 मरीजों की मौत की जांच के लिए गठित समिति इस नतीजों पर पहुंची है कि उनकी मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई थी। प्राधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मृतकों के रिश्तेदारों और अन्य ने आरोप लगाया थ कि 26 अप्रैल को वर्तक नगर स्थित वेदांत अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से ये मौतें हुई हैं। आधिकारिक बयान

के मुताबिक इन मौतों के बाद भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के आयुक्त डॉ.पंकज अशिया के नेतृत्व में विस्तृत जांच के लिए समिति गठित की गई थी जिसने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी राजेश नारवेकर को सौंप दी। बयान में कहा गया कि समिति के निष्कर्षों के अनुसार इन मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई। बयान के अनुसार समिति ने मरीजों की जांच रिपोर्ट, उनके इलाज संबंधी दस्तावेजों की जांच की, रिश्तेदारों, डॉक्टरों और नर्सों के साथ-साथ ऑक्सीजन आपूर्ति का प्रबंधन करने वाले व्यक्तियों और आईसीयू में इलाज करा रहे अन्य मरीजों के बयान दर्ज किए। समिति ने पाया कि मरीजों की मौत निमोनिया और कोविड-19 से उत्पन्न जटिलता की वजह से हुई न कि अन्य किसी कारण से।

ठाणे/ लॉकडाउन के चलते कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है-एकनाथ शिंदे

ठाणे : कोरोना संकट के खिलाफ शासन, प्रशासन व संपूर्ण जनता एकजुट होकर लड़ रही है। यह स्थिति संतोषजनक है। शीघ्र ही हम सब कोरोना को हराने में कामयाब होंगे। इस आशय का उदगार राज्य के नगर विकास मंत्री व ठाणे जिले के पालकमंत्री एकनाथ शिंदे ने व्यक्त की है। महाराष्ट्र दिवस व मजदूर दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण करने के बाद कोरोना की स्थिति पर समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक कर उपाय योजनाओं का उन्होंने जायजा लिया। पालकमंत्री शिंदे ने नागरिकों को महाराष्ट्र दिवस व मजदूर दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि कोरोना संकट से हम भी मिलकर लड़ रहे हैं। आप सतर्क रहो हम जिम्मेदारी ले रहे हैं। घर में रहो ,सुरक्षित रहो और प्रशासन को सहयोग करो। इस तरह अपील करते हुए उन्होंने शीघ्र कोरोना को

हराने का विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर महापौर नरेश म्हस्के , जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर, मनपा आयुक्त डा विपिन शर्मा , नई मुंबई मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर, ठाणे पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर, ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक विक्रम देशमाने , जिप की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. रुपाली सातपुते, अपर जिलाधिकारी वैदेही रानडे , निवासी उप जिलाधिकारी डा. शिवाजी पाटील ,उपजिलाधिकारी बालासाहेब वाकचौरे , उपजिला चुनाव अधिकारी अपर्णा सोमानी , जिला शल्य चिकिसक डा कैलाश पवार आदि उपस्थित थे। बैठक में पालकमंत्री शिंदे ने कहा कि 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों को कोरोना की वैक्सीन लगाने की से शुरूआत हो गई है। वैक्सीन की उपलब्धता के अनुसार वैक्सीन का टीकाकरण किया जाएगा । कोरोना संबंधी सरकार की सूचनाओं के पालन करने का आहवान करते हुए उन्होंने ने कहा कि लॉकडाउन के चलते कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मई 2021

महाराष्ट्र में शूटिंग की परमिशन नही

इंडस्ट्री को 1000 करोड़ का नुकसान तय, बायोबबल में फिल्मों और सीरियल की शूटिंग शुरू करने की मांग

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में लॉकडाउन और पंद्रह दिनों के लिए बढ़ाए जाने से फिल्म और टीवी उद्योग से जुडे लोगों का संकट और बढ़ गया है। सिने एम्प्लॉइज के संगठनों के फेडरेशन FWICE ने बताया है कि लॉकडाउन बढ़ा तो 1000 करोड़ रुपए का नुकसान होना तय है। ये सरकार को पहले ही सूचित किया गया था फिर भी हमारी बात नहीं सुनी गई। दूसरे स्टेट में बायोबबल में शूटिंग हो रही है, मुंबई तो सिने इंडस्ट्री का हब है, यहां भी परमिशन मिलनी चाहिए। सरकार कोई राहत पैकेज या केश रिलीफ भी नहीं दे रही। आखिर पांच लाख से ज्यादा लोगों के रोजगार का सवाल है।

महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने 14 अप्रैल रात 8 बजे से 1 मई सुबह 7 बजे तक लॉकडाउन लगा दिया था। इसके साथ ही पूरे राज्य में धारा 144 लागू कर दी गई थी।

15 दिन का लॉकडाउन लग जाने से फिल्म, टीवी सीरियल्स और ऐड कमर्शियल्स की शूटिंग रुक गई थी। इससे फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में टेक्नीशियन और क्रू मेंबर्स का तबका लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। सभी को उम्मीद थी कि 1 मई से शूटिंग का सिलसिला फिर शुरू होगा, लेकिन सरकार के 15 दिन लॉकडाउन बढ़ा देने से सेट पर काम करने वाले लाखों टेक्नीशियन और दूसरे क्रू मेंबर्स के सामने फिर रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी ने बताया कि अगर लॉकडाउन बढ़ा तो इंडस्ट्री को कम से कम 1,000 करोड़ का नुकसान होगा ये हमने पहले ही सरकार को बताया था। ये भी बताया था कि डेली वेजेस कर्मचारियों की माली हालत खस्ता हो जाएगी। अब ऐसा ही हो रहा है। उद्धव सरकार ने बगैर हमारी बात पर गौर किए लॉकडाउन बढ़ा दिया और शूटिंग की परमिशन नहीं दी। शायद उन्हें हमसे कोई सरोकार नहीं। उनकी तरफ से पिछले पत्र को कोई जवाब नहीं आया।

नई मुंबई/ 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों का टीकाकरण शुरू

नई मुंबई : केन्द्र व राज्य शासन के निर्देशन में नेरुल अस्पताल में 18 से 44 आयुवर्ग को लोगों को कोरोना का टीकाकरण शुरू कर दिया गया है। इस दौरान 28 वर्षीय अश्विन थोंटाकुड़ी को 18 से 44 आयुवर्ग में टीका का पहला अवसर मिला। 1 मई से 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों को कोरोना टीका लगाने की अनुमति मिली। जिसके चलते महाराष्ट्र दिवस व विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों को टीका लगाने की मनपा ने शुरूआत कर दिया है। ठाणे जिले में 5 केन्द्रों में नेरुल सेक्टर- 15 की माँ साहेब मीनाताई ठाकरे अस्पताल में नई मुंबई मनपा की तरफ से वैक्सीनेशन की शुरूआत गयी। केंद्र सरकार के कोविन एप्प पर पंजीकरण करने के बाद केंद्र की बुकिंग लिंक प्रदर्शित होने 15 मिनट बाद 15 मिनट में पहला डोज 200 लोगों को दिया गया। अस्पताल की पहली मंजिल में स्थापित बूथ में कोविड सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए दोपहर 1 बजे टीकाकरण शुरू किया गया। 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों को कोरोना वैक्सीन लेने के लिए शासकीय निदेर्शानुसार कोविन पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। आनलाईन पंजीकरण करने वाले 18 से 44 आयुवर्ग के लोगों का टीकाकरण किया जाएगा । मनपा आयुक्त अभिजित बांगर ने नागरिको से आहवान किया है कि आनलाईन पंजीकरण की प्रक्रिया पूरा करने के बाद ही टीकाकरण केन्द्रों पर जाएँ।

शादी में गये दम्पति के घर चोरी

उल्हासनगर : उल्हासनगर कैंम्प नम्बर -4 निवासी दुबे परिवार विठ्ठलवाडी रेलवे स्टेशन के समीप के प्रवीण इंटरनेशनल होटल में एक शादी मे घर बंद करके गए थे। देर रात जब लौटे तो देखा अज्ञता चोर ने घर के पीछे किचन की खिड़की को तोड़कर उस रास्ते घर मे जाकर नगदी और आभूषण गायब कर ले गया। मिली जानकारी के अनुसार विकास कुलकमल दुबे उल्हासनगर कैंम्प नम्बर- 4 में रहते है। 28 अप्रैल की रात साढ़े आठ बजे अपने एक परिचित की शादी में उल्हासनगर -3 प्रवीण इंटरनेशनल होटल में घर बंद कर सपरिवार गए। शादी संम्पन्न कर 29 अप्रैल की सुबह साढ़े तीन बजे घर लौटे ।जब दरवाजा खोलने लगे तो

दरवाजा अंदर से बंद था ।काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो घर के पीछे गए। देखे तो किसी अज्ञात चोर ने किचन की खिड़की में लगे लोहे के रॉड को मोड़कर उस रास्ते घर मे जाकर कपाट में रखे ढाई लाख रुपए नगद, सोने की चूड़ी,मंगलसूत्र, चेन,अंगूठी,डेल कंम्पनी का लेपटॉप लेकर गायब हो गए। चोर 3 लाख 63 हजार रुपए नगदी आभूषण लेकर गायब हो गए। विठ्ठलवाड़ी पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

नालासोपारा/ लाखों की धोखाधड़ी 7 पर मामला दर्ज

नालासोपारा : पश्चिम के नालासोपारा पुलिस स्टेशन अंतर्गत क्षेत्र में लोगों को रुपये जमाकर दोगुना लाभ देने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले 7 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार पश्चिम के सोपारा गांव ,नवायत नगर निवासी मोहम्मद हुसेन अब्दुल रहीमान नाइक (40) ने शुक्रवार को नालासोपारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराया। दर्ज मामले

के अनुसार अक्टूबर 2018 से लेकर अब तक कंपनी के पार्टनर्स आरोपियों ने लोगों को प्रलोभन देकर कंपनी में 24 महीनों में दोगुना पैसा कमाने का लालच दिया। जिसके बाद आरोपियो ने शिकायतकर्ता को विश्वास में लेकर कुल 6,10,000 रुपये ठगी की ।इसके साथ ही अन्य लोगो से भी 18,82,665 रुपये यानी कुलमिलाकर 24 लाख 92 हजार 514 रुपये की धोखाधड़ी की है। जिसके बाद शिकायत कर्ता बयान व लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी नजर रसुल बालवा, अमानुल्लाह इस्माईल मोमीन, मोहम्मद आझम खान, सुनील श्रीनिवास टोपने, जावेद माईउद्दीन खान, ऋषि पाल और सतीष शर्मा के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 मई 2021

मुंबई में चलाता था दाऊद की ड्रग फैक्ट्री

चरस के साथ दानिश चिकना यूं चढ़ा था पुलिस के हत्थे

सबसे बड़ा आतंकवादी दाऊद इब्राहिम कहां छिपा है? इसके बारे में किसी को पता नहीं है। भारत को जख्म देने वाले इस अंडरवर्ल्ड माफिया की तलाश कई मुल्कों की पुलिस को है। दाऊद इब्राहिम भले ही जांच एजेंसियों की पकड़ से अब तक दूर है लेकिन अक्सर उसके गुर्गों के पकड़े जाने की खबरें सामने आती रहती हैं। इसी साल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की टीप पर कोटा पुलिस ने दाऊद इब्राहिम के गैंग के एक बड़े सदस्य को दबोचने में सफलता हासिल की थी। बताया जाता है कि यह शख्स मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की ड्रग फैक्ट्री चला रहा था। हम बात कर रहे हैं दानिश चिकना की जिसे एनसीबी ने अपनी जानकारी के आधार पर राजस्थान के कोटा से पकड़वाया था।

दानिश चिकना के बारे में बताया जाता है कि वो मूल रूप से मुंबई के डोंगरी इलाके का रहने वाला था। दानिश चिकना उर्फ

फंटम पर 6 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। दानिश चिकना मुंबई एनसीबी के 2 केस में वांटेड है। इसके साथ ही मुंबई के डोंगरी थाने में भी उस पर 6 केस दर्ज हैं। दरअसल ठउइ ने डोंगरी इलाके में दाऊद की दो ड्रग्स फैक्ट्री को ध्वस्त करने का काम किया था। पता चला था कि दाऊद की इस ड्रग्स फैक्ट्री को उसके खास गुर्गे यूसुफ चिकना के दो बेटे चला रहे थे जिनमें से एक का नाम दानिश चिकना है।

जिसके बाद मार्च के महीने में कोटा के अन्नतपुरा थाना क्षेत्र में झालावाड़ रोड पर फोरलेन पुलिया के पास नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान एक कोटा नंबर की कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। कार चालक संदिग्ध हरकत करते हुए मौके से फरार हो गया था। कार में दानिश चिकना बैठा हुआ था। तलाशी में दानिश के पास से 160 ग्राम चरस बरामद हुई थी। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया था और दानिश को गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया था।

रोड छाप फर्जी पुलिस का नया/अवतार चतुर्भुज चुलबुल बन गया बाबा

सभी मसाज पार्लर मालकिन एवं लड़कियों को खंडोबा की विभूती देकर मांग रहा है भीख!

(पेज १ का शेष....)

तो इस नकली चुलबुल पांडे महाशय ने अपना आतंक संपूर्ण मुंबई व थाने और नवी मुंबई में शुरु करे लाखों रुपये महीना कमाई शुरू की। उसकी हरकत से कई पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज हुई। महाराष्ट्र क्राईम्स के दफ्तर में भी कई लिखित तथा फोन पर इसकी शिकायतें प्राप्त होने पर महाराष्ट्र क्राईम्स टीम ने सच्चाई सामने जानने के बाद महाराष्ट्र क्राईम्स हिंदी समाचार पत्र के माध्यम से इस रोड छाप, कॉल मास्टर चुलबुल पांडे की करतूतें सामने रखीं। इससे बौखलाकर गुरु सिद्धप्पा अंबादास वाघमारे ने महाराष्ट्र क्राईम्स के संपादक एवं टीम के अन्य सदस्यों को गंदी गाली देना और धमकाना शुरू किया है।

महाराष्ट्र क्राईम्स की इस मुहिम की वजह से आज जनता, कारोबारी और अबला महिलाओं में से गुरु सिद्धप्पा अंबादास वाघमारे उर्फ चुलबुल पांडे इस छुटभैय्या रोड छाप दरिंदे की दहशत खत्म होने लगी। लोगों ने अब इससे डरना बंद किया तो इसने अभी नई चाल चलना शुरू किया।

इस चुलबुल पांडे को नवी मुंबई में एक नया गॉडफादर मिल गया, यह नया गॉडफादर भी नवी मुंबई के नेरूल उपनगर में स्पा/पार्लर की आड़ में देह व्यापार का घिनौना काम करता है। इस नये गॉड फादर ने इसे स्पा/मसाज पार्लरों में लड़कियां सप्लाय करने का धंधा सिखाया। गुरु सिद्धप्पा अंबादास वाघमारे ने यह काम बखुबी निभाया। एक लड़की के बदले में उसे ५०००/- से १०,०००/- कमिशन के तौर पर और हर लड़की का १००/- रुपये रोज ऐसा हिसाब शुरु हुआ।

समाज की भोली भाली गरीब असहाय महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर इसने यह नया धंधा शुरू किया। लेकिन इससे उसकी छवि थोड़ी खराब हो रही थी, यह समझ

में आते ही इसने एक नया खेल रचा। महाराष्ट्र की ज्यादातर जनता श्री.खंडोबा को अपना कुलदैवत मानती है। चुलबुल ने इसी बात का गैर फायदा लेने का फैसला किया। एक्टींग करने में गुरुसिद्धप्पा ॲक्टींग क्लासेस का प्रिन्सिपल है। जिनको अभी तक वह रांड, छिनाल ऐसा पुकारता था, उन्हीं को उसने अभी दिदी, दिदी नाम से पुकारना शुरू किया। लॉक डॉऊन, धंधे में बढ़ती कॉम्पीटीशन या अन्य कारणों की वजह से स्पा/ मसाज की धंधे में पहले जैसी आमदनी नहीं हो रही है। मासिक खंडणी के लिए सब भी यह रोडछाप, मसाज पार्लर वालों के पास जाता था, तो मालकिन या मैनेजर और काम करने वाली लड़कियां धंधा या आमदनी कम होने की बात करती उस पर उसने सलीम उपाय निकाला। वैसे तो इस धंधे की मालकिन या लड़कियाँ अंधविश्वासू होती है और अल्पशिक्षित भी।

यह रोडछाप छुटभैया हर स्पा/ मसाज पार्लर में जाता है और भगवान खंडोबा के नाम से विभूती (जिसे मराठी में अंगारा कहते हैं) देता है और "दिदी यह खंडोबा का प्रसाद है। इसे अपने गल्ले में रखना, आपका धंधा अच्छा होगा, मैंने खास आपके लिए रात भर पूजा करके यह मंत्रित किया है", ऐसे बोलता है। किसी ने अगर मना किया तो खंडोबा का प्रकोप होने की धमकी देता है। मसाज पार्लर में काम करने वाली एक महिला ने हमारे प्रतिनिधि से बात करते हुए कहा कि "इससे हम खासा परेशान हैं।खंडोबा का मंत्रित किया हुआ निंबू अंगारा और कुछ साहित्य हमेशा साथ में रखता है और तेरी परेशानी अभी मेरी परेशानी है, कहकर अपनी हवस शांत करने के लिए लड़की भी मांगता है।

भगवान खंडोबा के नाम से अंगारा देने वाला यह नौटंकी कॉल मास्टर जब बलात्कार के मामले में दो बार जेल की हवा खाने गया था, तो क्यों नहीं इसे भगवान खंडोबा ने बचाया यह हमारा सवाल है।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं-३, तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई-४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया ।
संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७